चौधरी चरण सिंह विवि के गणित विभाग में कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो . एनके तनेजा •

प्रशिक्षण विवि के गणित विभाग में एकेडमिक लीडरशिप प्रोग्राम

'विकास के लिए उच्च शिक्षा में सुधार जरूरी'

जागरण संवाददाता, मेरठ : चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के गणित विभाग में एकेडमिक लीडरशिप विषय पर चार दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू हुआ । पहले दिन वक्ताओं ने उच्च शिक्षा में शोध, गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया, कहा कि अगर देश को तरक्की की राह पर ले जाना है तो शिक्षा में सुधार करना होगा।

विश्वविद्यालय में यह ट्रेनिंग प्रोग्राम 11 जनवरी तक चलेगा। उद्घाटन सत्र में अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने शिक्षा के माध्यम से मानव संसाधन के विकास पर जोर दिया। कहा कि भारत एक युवा देश है, उच्च शिक्षा को उस युवा को साथ लेकर चलना है। इसके लिए जरूरी है कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को लाते हुए विश्वस्तरीय पाठ्यक्रम बनाया है, तभी जाकर देश का विकास हो पाएगा। प्रतिकुलपति प्रो. एचएस सिंह ने कहा कि पाठ्यक्रम में शैक्षणिक नेतृत्व के विकास पर जोर दिया, साथ ही उन्होंने नैतिक शिक्षा व अनुशासन की कमी आने पर चिंता जताई। कार्यक्रम में विषय पर प्रकाश डालते हुए चंडीगढ़ से आए प्रोफेसर गुनमाला सुरी ने शैक्षणिक संस्थानों के प्रदर्शन में बढ़ोतरी पर जोर दिया। दूसरे सत्र में इंदौर से आए प्रोफेसर डीएन सनसनवाल ने इस बात को लेकर चिंता जताई कि हम एक ऐसे पाठ्यक्रम और सिलेबस को आगे बढ़ा रहे हैं, जो समय के हिसाब से अपडेट नहीं है। उन्होंने आइआइएम का उदाहरण देकर बताया कि वहां पर कोई सिलेबस नहीं है। एक शिक्षक अपने हिसाब से विषय को पढ़ाता है, जिसकी वजह से छात्र अधिक व्यवहारिक ज्ञान हासिल कर पाते हैं।

उन्होंने मूल्यांकन प्रणाली के विषय में बताया। उसमें बहुत सारे सुधारों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के समन्वयक व गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. मृदुल गुप्ता ने बताया कि इन चार दिनों में विशेषज्ञ उच्च शिक्षा में अलग अलग विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, कालेजों के प्राचार्य उपस्थित रहे। विभाग की ओर से डा. शिवराज सिंह, डा. संदीप कुमार का सहयोग रहा।

कैंपस में कुलपति और डीन की क्लास

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

एकेडमिक लीडरशिप

- एकेडमिक लीडरशिप विकसित करने को आयोजित हुई वर्कशॉप
- एजुकेशन में हो रहे बदलावों पर हुआ मंथन

सोमवार को विश्वविद्यालय में एकेडमिल लीडरशिप विकसित करने को वर्कशॉप हुई।

भारत युवाओं का देश है। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और विश्वस्तरीय पाठ्यक्रम से देश दुनिया में अपनी पहचान कायम कर सकता है। हमें युवाओं को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करानी होगी और इसकी जिम्मेदारी हम सबकी है। उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम प्रयोग से हम यह लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

चौ.चरण सिंह यूनिवर्सिटी में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा एकेडमिक लीडरशिप के लिए हुए कार्यक्रम में कुलपति प्रो.एनके तनेजा ने यह बात कही। सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप दुनिया को ज्ञान में नई दिशा दे सकते हैं, लेकिन यह तभी संभव होगा जब हम गुणवत्ता में अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरें। समन्वयक प्रो.मृदुल गुप्ता ने कहा कि यह वर्कशॉप एकेडमिक हेड को अपने संस्थानों में श्रेष्ठ आउटपुट दिलाने में सहायक होगी।

वर्कशॉप से एकेडमिक हेड उपलब्ध संसाधनों का कुशलतम प्रयोग देना होगा। प्रो.गुनमाला सूरी ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। इसके लिए स्वयं में थोड़ा

प्रो.वीरपाल, प्रो.वीर सिंह, प्रो.जितेंद्र ढाका, प्रो.आरके सोनी, डॉ.जेए सिद्दकी, प्रो.हरे कृष्णा, डॉ.एसएस